लाल देह ओर लाल है चोला मुखड़ा भोला भाला ऐसे बजरंग बाला

लाल देह और लाल है चोला
मुखड़ा भोला भाला
ऐसे बजरंग बाला होs मां अंजनी का लाला,
शीश मुकुट है गदा हाथ में,
और गले में माला, ऐसे बजरंग बाला....

बजरंगबली के डर से सब भूत भाग जाते हैं,
इनकी माला जपने से सोये भाग्य जाग जाते है,
तो फिर तो -नई रोशनी नया सवेरा-2 दूर अंधेरा काला, ऐसे बजरंग बाला.....

सियाहरण समय बाला ने श्री राम के काज सँवारे
माता का पता लगाया और बन गए प्रभु के प्यारे
ओर फिर-लंका नगरी को बाला ने -2 तहस नहस कर डाला, ऐसे बजरंग बाला.....

ये रामभक्त कहलाते, प्रभु जी दिल मे रहते है
इस लिए ये दुनिया वाले इनको राम दूत कहते है
प्रभु जी-इनसे एक पल बिछुड़ ना पाए-2 बन्धन है निराला, ऐसे बजरंग बाला.....

गायक:- विक्की सदावर्तिया
मोबाइल:-9356488811

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16166/title/lal-deh-or-lal-hai-chola-mukhda-bhola-bhalaa-ese-bajrang-bala

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |